सीआईएमपी में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर सम्मेलन संपन्न

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (आईसीसीएसआर-2024) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बिहार में स्थानीयत कार्रवाई के साथ वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को संरेखित करने पर केंद्रित विचारोत्तेजक सत्रों और चर्चाओं की एक श्रृंखला के साथ दूसरे दिन समाप्त हो गया। कार्यक्रम में वक्ताओं, पैनल चर्चाओं और शोध प्रस्तुतियों को शामिल किया गया जिसमें सतत विकास और समावेशी विकास के लिए अभिनव रणनीतियों का प्रदर्शन किया गया।

सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बेहतर ग्रह छोड़ने की वैश्विक जिम्मेदारी पर जोर देकर सम्मेलन की शुरुआत की। स्थिरता के प्रति बिहार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए 1,500 करोड़ रुपये के आवंटन और इन पहलों की अगुवाई के लिए 12 राज्य विशेषज्ञों की नियुक्ति की बारे में बताया। मुख्य अतिथि पारसनाथ राय (पूर्व आपदा प्रमुख एवं सेवानिवृत्त आईपीएस) ने प्रभावी आपदा प्रबंधन और जोखिम न्यूनीकरण के महत्व को रेखांकित किया। शीर्ष आपदा प्रबंधन प्राधिकरण वाले एकमात्र राज्य के रूप में बिहार की अद्वितीय स्थिति की सराहना की। डॉ. सपना नरूला ने 2040 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया। जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों की वकालत की गई। प्रेम प्रकाश (टीम लीडर, राज्य मिशन) और कुमोद कुमार (मुख्य प्रशासनिक अधिकारी) ने अपने भाषणों में स्थानीय विकास में बिहार की उपलब्धियों और एसडीजी को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के लिए अभिनव, राज्य-विशिष्ट रणनीतियों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। 'आई-सक्षम' के अमन प्रताप सिंह ने युवा महिलाओं को नेताओं के रूप में सशक्त बनाने वाले फेलोशिप कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया जिसमें 2030 तक इस पहल को 10,000 फेलो तक बढ़ाने की योजना है। इससे दस लाख से अधिक महिलाएं और लड़कियां लाभान्वित होंगी। ऋचा वात्सयायन ने स्वच्छता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण के अनुकूल मासिक धर्म पैड बनाने वाली महिलाओं के स्वामित्व वाली स्टार्टअप सैनिट्रस्ट को प्रस्तुत किया। प्रो. रितु राज ने कौशल विकास और स्वास्थ्य जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए उच्च शिक्षा में सीएसआर की परिवर्तनकारी क्षमता पर चर्चा की। सौरव आनंद ने आनंद डिजाइन एसोसिएट्स का प्रदर्शन किया। शिल्पी सिंह ने शिक्षा और वित्तीय साक्षरता के माध्यम से हाशिए के समुदायों को सशक्त बनाने के लिए परिवार केंद्रित टिकाऊ समाधान प्रस्तुत किए। जबकि विशाल कुमार सिंह ने ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले सामुदायिक रसोई मडल दीदी की रसोई की सफलता पर प्रकाश डाला। रोहित कुमार ठाकुर ने सतत आर्थिक विकास को प्राप्त करने में फिनटेक की परिवर्तनकारी भूमिका की खोज की। जबकि जहरा आदिल ने कार्यस्थल की गतिशीलता और स्थिरता पर लिंग भूमिकाओं के प्रभाव की जांच की। ऋषभ राजन और उनके सहयोगियों ने इस बारे में अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की कि कैसे रणनीतिक गठबंधन और ज्ञान प्रबंधन भारतीय स्टार्टअप में नवाचार को बढ़ावा देते हैं। मनीष कुमार पांडे ने बिहार में हाई स्कूल ड्रपआउट दरों को संबोधित करने पर प्रकाश डाला। सम्मेलन का समापन प्रो राणा सिंह के समापन भाषण के साथ हुआ। भारत ज्योति, सेवानिवृत्त (आईएफएस, अध्यक्ष) बिहार जैव विविधता बोर्ड ने समापन सत्र में मुख्य भाषण दिया। सम्मेलन का समापन प्रो सिबानंद सेनापति के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जिसमें उन्होंने कॉरपोरेट्स तक पहुंचने, सीएसआर पर काम करने वाले कॉरपोरेट्स का डेटा बैंक तैयार करने सहित आगे का रास्ता तय किया।

Rashtriya Sahara ! Page.No-05 ! Dated:08-12-2024

कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए बीजीजेएएस के निदेशक ई कौशलेंद्र

बेगूसराय/संवाददाता। बिहार सरकार अपनी सीएसआर पॉलिसी जल्द बनाएगी।मेधावी छात्रों को यूपीएससी समेत अन्य राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात उनके बेहतर कोचिंग के लिए सरकार विचार कर रही है। राज्य के विकास में कॉरपोरेट सेक्टर एवं एनजीओ की काफी महत्वपूर्ण भूमिका है।उक्त बातें बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी विषय पर आयोजित चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में कही गई।कॉन्फ्रेंस को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार के सदस्य पारस नाथ राय,राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ,यूनिसेफ के राजीव कुमार,कॉरपोरेट सेक्टर के पदाधिकारी,विभिन्न उच्च संस्थानों के निदेशक,एनजीओ प्रतिनिधियों ने संबोधित किया।कॉन्फ्रेंस अपना विचार व्यक्त करते हुए बिहार ग्रामीण जागरूकता अभियान समिति बेगूसराय के कार्यपालक निदेशक ई.कौशलेंद्र कुमार ने बिहार में सीएसआर की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया।वर्तमान में यह भागीदारी एक फीसदी से भी कम है।कार्यक्रम का आयोजन सीआईएमपी,यूनिसेफ एवं सेंटर फार सीएसआर स्टडी के द्वारा किया गया।

Sanmarg ! Page.NO-05
Dated:08-12-2024

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

पटना(आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बिहार में स्थानीयकृत कार्रवाई के साथ वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (स्ड्ड्ज) को संरेखित करने पर केंद्रित विचारोत्तेजक सत्रों और चर्चाओं की एक श्रृंखला के साथ अपने दूसरे दिन का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में उल्लेखनीय वक्ताओं. पैनल चर्चाओं और शोध प्रस्तुतियों को शामिल किया गया, जिसमें सतत विकास और समावेशी विकास के लिए अभिनव रणनीतियों का प्रदर्शन किया गया। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बेहतर ग्रह छोड़ने की वैश्विक जिम्मेदारी पर जोर देकर सम्मेलन की शुरुआत की। स्थिरता के प्रति बिहार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए 1,500 करोड़ रुपये के आवंटन और इन पहलों की अगुवाई के लिए 12 राज्य विशेषज्ञों की नियुक्ति की बारे में बताया।

AAJ ! Page.NO-11 ! Dated:08-12-2024

Two-day CIMP conf concludes

B K Mishra | TNN

Patna: The two-day fourth international conference on corporate social responsibility organised by Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) concluded on Saturday with a call for effective collaborations among corporate houses, academia, local govts and NGOs to foster sustainable rural transformation.

The conference attempted

TOI

Delegates at CIMP conference

to bridge the gap between global aspirations and local realities, providing actionable insights to widen Bihar's socio-economic landscape through sustainable development. With a focus on innovation, collaboration and inclusivity, the conference set a strong foundation for achieving SDGs in the state.

Times of India
Page.NO-03
Dated:08-12-2024